

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग,

रायपुर

राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2011

(CG State Prelims 2011)

फॉर्म भरने हेतु उपयोगकर्ता पुस्तिका

व्यक्तिगत विवरण

इस आवेदन को भरने से पहले उम्मीदवार, इस परीक्षा के लिए लोक सेवा आयोग का सम्बंधित विज्ञापन व परीक्षा नियम भली-भांति देख ले| यदि उम्मीदवार स्नातक नहीं है तो उसे अंतिम वर्ष में अध्यनरत होना चाहिए, साथ ही वह 1.1.2012 को 21 वर्ष की आयु पूरी कर ली हो| उम्मीदवार अपनी व्यक्तिगत जानकारी नीचे दिए गए फार्म के अनुसार भर देवे|

टिप: केवल भारत के नागरिक ही इस परीक्षा के लिए पात्रता रखते है|

			Field's ma	rked with * are mandatory
1.	क्या उम्मीदवार स्नातक अंतिम वर्ष मे अध्यनरत है?*	⊙Yes ○No	हायर सेकेण्डरी / इंटरमीडिएट का उत्तीर्ण वर्ष लिखें। *	
2,	उम्मीदवार का प्रथम नाम ^{**}		उम्मीदवार का अंतिम नाम/सरनेम*	
з.	िषिता का नाम* ○पति		माता का नाम*	
4.	जन्म तिथि*	(DD/MM/YYYY)	01.01.2012 को आयु	
5.	लिंग*	OMale OFemale	क्या उम्मीदवार छत्तीसगढ़ का मूल निवासी है*	OYes ONo
6,	क्या उम्मीदवार विवाहित है ? *	OYes ONo	यदि हां तो विवाह की तिथि	(DD/MM/YYYY)
7.	जीवित बच्चों की संख्या		अंतिम वच्चे की जन्म तिथि	(DD/MM/YYYY)
8.	क्या अंतिम बच्चे जुडवा है ?	OYes ONo	प्रवर्ग *	Select 💌

यदि अंतिम वर्ष में अध्यनरत हो तो अपना उत्तीर्ण वर्ष डाले (टिप: उत्तीर्ण वर्ष 2009 के बाद का न हो)

किसी भी परिस्थिति में उम्मीदवार की आयु 1.1.2012 को 21 वर्ष से कम व 45 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए

> Age on marriage date >= 21 in case of male Age on marriage date >= 18 in case of female

If having child 3 or more birth of last child must < 26-01-2001 If having child 3 and birth of last child > 26-01-2001 than last child must be twins

अधिकतम आयु सीमा में छुट सम्बन्धित विवरण अथवा अन्य विवरण

अधिकतम आयु में छुट सम्बंधित जानकारी हेतु छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग का विज्ञापन एवं परीक्षा नियम अवश्य पढ़े

10.	क्या उम्मीदवार विकलांग है?(इस श्रेणी के अंतर्गत *	वयन / आयु सीमा में छुट का लाभ <mark>केवल छ.ग.</mark>	मूल निवासी के उम्मीदवार को ही मिलेगा)	OYes ONo
	विकलांगता का प्रकार:*	None	विकलांगता का प्रतिशत*	None
11.	क्या उम्मीदवार विधवा/परित्यकता है?	O Yes O No	क्या उम्मीदवार स्वयं परिवार कल्याण कायेक्रम के अंतर्गत ग्रीलकाई धारक है? *	OYes ONo
12.	क्या उम्मीदवार छ.ग. शासन का/की स्थायी/अस्थायी शासकीय सेवक है अथवा क्या वह छ.ग. राज्य के निगम/मंडल में सेवारत है?*	O Yes ONo	यदि उम्मीदवार सेवारत है तो नियोका अधिकारी को सूचित करते हुए अनापति प्रमाण पत्र हेतु आवेदन करने की तिथि	
13.	क्या उम्मीदवार भूतपूर्व सैनिक है?*	OYes ONo	यदि हां तो उसने कुल कितने माह सेना में सेवा दी है ?	
14.	क्या उम्मीदवार स्वयंसेवी होमगाई क्या है? / रहा है ? *	O Yes O No	यदि हां तो उसने कुल कितने माह स्वयं सेवी होमगाई के रूप में सेवा दी है ?	
15.	क्या उम्मीदवार शिक्षा कमीं क्या है ? / रहा है ? *	O'Yes O'No	यदि हां तो उसने कुल कितने माह शिक्षाकमी के रुप में सेवा दी है ?	
16.	क्या उम्मीदवार को कभी सरकारी सेवा से छंटली किया गया है?*	O Yes O No	यदि हां तो उसे उस सेवा का कितने माह का अनुभव है, जिससे उम्मीदवार की छटनी की गई है?	
17.	क्या उम्मीदवार को कभी सेवा से पृथक अथवा दंडित किया गया है?*	O Yes O No	क्या उम्मीदवार के विरुद्ध कोई आपराधिक प्रकरण लंबित है अथवा सिद्ध हो चुका है?*	OYes ONo
18.	क्या उम्मीदवार को किसी भी परीक्षा अथवा चयन से विवर्जित किया गया है?*	OYes ONo	क्या उम्मीदवार छ.ग. शासन द्वारा अंतर्जातीय विवाह प्रोत्साहन हेतु पुरस्कृत है?*	
19.	क्या उम्मीदवार छ.ग. शासन द्वारा प्रदत्त राजीव पाण्डेय पुरस्कार/गुण्डाधुर सम्मान/महाराजा प्रवीर चन्द्र भंजदेव सम्मान अथवा राष्ट्रीय युवा पुरस्कार धारक है? *	O Yes O No		
20.	क्या उम्मीदवार ऐसा सुरक्षा सेवा कर्मचारी रहा है ज विकलॉग हुआ हो और उसके परिणास्वरुप उसे निर्मु) किसी दूसरे देश से हुए युद्ध के दौरान या अशान क कर दिया गया हो । *	त क्षेत्र में किसी फौजी कार्यवाही के दौरान	OYes ONo
21.	यदि उम्मीदवार वियतनाम से भारतीय मूल का वास वियतनाम में भारतीय दूतावास द्वारा उसे जारी किय 1975 के पूर्व न आया हो तो Yes अन्यथा No का	तविक प्रत्यावर्तित (भारतीय पासपोर्टधारी) व्यक्ति । । गया आपातकाल प्रमाण पत्र धारित कर रहा हो चयन करें ।*	हो तथा साथ ही ऐसा उम्मीदवार, जो तथा जो वियतनाम से भारत में जुलाई	OYes ONo
22.	क्या उम्मीदवार ऐसा भूतपूर्व सैनिक / कमीशन्ड आ से पूर्ववर्ती 1 जनवरी को सैनिक सेवा के कम से कव शारीरिक अक्षमता या अशक्तता के कारण वर्खास्त य व्यक्ति भी शामिल होंगे जिनकी सेवा अवधि उक्त ता	फिसर (जिनमें ई.सी.ओ/एस.एस., सी.ओ शामिल न 5 वर्ष पूरे कर लिये हैं और जिन्हें दुराचरण या 1 सेवामुक किए जाने से मिन्न स्थिति में सेवा पू रोख से छह मास के भीतर समास होने वाली है।)	है) है जिन्होंने परीक्षा प्रारंभ होने की तारीख अक्षमता अथवा सैनिक सेवा के दौरान हुई री करने पर निमुंक किया गया था (इनमें वे *	OYes ONo
23.	क्या आप भारतीय मूल को वास्तविक स्वदेश (1)क्या आप बर्मा से भारतीय मूल को वास्तविक स् हो, अथवा/एवं (2)क्या आप श्रीलंका से भारतीय मूल को वास्तविक अथवा /एवं (3)क्या आप तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान (अब बंग्ल वीच की कालावधि के दौरान भारन में प्रवाम किंग	पत्यावर्तित व्यक्ति है एवं * वदेश प्रत्यावर्तित व्यक्ति हैं, जिसने 1 जून, 1963 स्वदेश प्रत्यावर्तित व्यक्ति हैं, जिसने 1 नवंबर, 1 देश) से वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हैं, जिसने 1 ते।	को या उसके पश्चात भारत में प्रवास किया 964 के पश्चात भारत में प्रवास किया हो, जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के	OYes ONo

<u>परीक्षा केंद्र</u>

उम्मीदवार उस परीक्षा केंद्र का नाम चुने जिस शहर में वो परीक्षा देना चाहता हो



<u>शैक्षणिक य</u>ोग्यता

उम्मीदवार अपने शैक्षणिक योग्यता का विवरण इस ब्लाक में भरे| उम्मीदवार स्नातक है तो उसे हाईस्कूल, हायर सेकेण्डरी व स्नातक की पूरी जानकारी और यदि उम्मीदवार स्नातक अंतिम वर्ष में अध्यनरत है तो उसे हाईस्कूल व हायर सेकेण्डरी की जानकारी भरनी है| अंतिम वर्ष में अध्यनरत उम्मीदवार यह ध्यान रखे की उसने हायर सेकेण्डरी वर्ष 2009 या उससे पूर्व उत्तीर्ण की हो| यदि उम्मीदवार स्नातकोत्तर या कोई अन्य शैक्षणिक योग्यता हो तो वह भी भर सकता है|

शैक्ष	तणिव	5 योग्यता								
	स. <mark>क्रं</mark> .	परीक्षा का नाम	उपाधि	विषय	पूर्णीक	प्राप्तांक	श्रेणी अथवा ग्रेड	बोर्ड / संस्थान / विश्वविद्यालय का नाम	उत्तीर्ण वर्ष	रोल न.
	1.	हाईस्कूल *	10th	ALL						
	2,	हायर सेकेण्डरी*	12th							
25.	з.	स्नातक*						L.		
	4.	स्नातकोत्तर							Í (1997)	
	अन्य	कोई(यदि हो तो)								
	1.									
	2.									

प्रशिक्षण एवं कार्य / सेवा का विवरण

कार्य का विवरण उम्मीदवार प्रथम क्रम पर ही दे)

यदि उम्मीदवार किसी प्रकार का कार्य अनुभव दर्शाता है तो उसे अपना कार्य अनुभव का विवरण देना अनिवार्य होगा (<mark>टिप: अपने वर्तमान</mark>

स.	क्रं. धारित पद	नियोजक का नाम एवं कार्यालय का पता	सेवा अवधि दिनांक से	सेवा अवधि दिनांक तक	पद छोड़ने का कारण	अनुभव प्रमाण पत्र क्रमांक
1.	•					
2.						
). 3.						
4.	•					
5.						

वर्तमान पता, स्थायी पता एवं घोषणा

उम्मीदवार अपना वर्त्तमान पता पत्राचार हेतु प्रदान करे (पते में अपना नाम न अंकित करे), एवं स्थाई पता भी अंकित करे| यदि स्थाई पता एवं वर्त्तमान पता सामान हो तो वर्तमान पते के निचे दिए हुए चेक बॉक्स को क्लिक करे|

घोषणा को ध्यानपूर्वक पढ़े एवं उसे अनिवार्य रूप से क्लिक करे/

	नोट:- कृपया पता में व	गम न लिखे		
	पता [*]			
7.	तहसील/शहर*		টিনা *	
	राज्य*	Select	पित कोड*	
_	🗌 क्या वर्त्तमान पता(पत्र	ाचार हेतु) और स्थायी पता समान है।		
থ	ायी पता*			
	पता*			
3.	तहसील/शहर*		টিলা *	
	राज्य*	Select	पिल कोड*	
).	वीषणा* - मैं एतद द्वारा घोष के पहले या बाद अ - मैंने आयोग के नि - मैं घोषणा करता/ - चयन के किसी भी	गा करता / करती हूं कि, इस आवेदन पत्र में नै अपात्रता का पता चले तो आयोग मेरे विरुद्ध देशों को ध्यान से पढ़ लिया है और में उसके करती हूं कि मैं इस परीक्षा के लिए निर्धारित स्तर पर अपात्र पाये जाने पर मेरी उम्मीदवा	मेरे द्वारा दी गई प्रविष्टियां सत्य, पूरी और सही हैं। यदि कोई कार्यवाही कर सकता है तथा इस संबंध में आयोग का निर्ण पालन का वचन देता/देती हूं आयु सीमा शैक्षणिक अहेताओं, अनुभव आदि से संबद्ध पावता री निरस्त की जा सकेगी।	जानकारी झूठी या गलत पायी जाये या प व मुझे मान्य होगा। की सभी शर्ती को पूरा करता /करती हूं।

फोटो तथा हस्ताक्षर

उम्मीदवार ऑनलाइन आवेदन हेतु दिनांक 28/12/2011 या उसके बाद की तिथि में खिचवाया हुआ पासपोर्ट साइज का फोटो हो। फोटो का बैकग्राउन्ड सफेद होना चाहिए तथा फोटो में अभ्यर्थी की दोनों आंखें स्पष्ट दिखाई देनी चाहिए। फोटो के निचले हिस्से पर अभ्यर्थी का नाम तथा फोटो खिचवाने की तिथि फोटोग्राफर द्वारा प्रिंट की हुई होनी चाहिए। इस प्रकार फोटो सादे कागज़ पर निर्दिष्ट फॉर्मेट में चिपकाकर दिए हुए बॉक्स में हस्ताक्षर कर प्रारूप को स्कॅन करे एवं उसे .jpg format मे फाइल बनाकर दिए गये Browse पर click करके scan की गयी file को Attach करे| निर्दिष्ट फॉर्मेट का प्रिंट निकालने के लिए निचे दिए गए "Click Here" के लिंक पर क्लिक करे| फोटो फाइल 50KB से बड़ा नहीं होना चाहिए साथ ही दिए गए निर्देशों को भी ध्यान से पढ़े|

	 कोटी एवं हेस्ताक्षर हेतु विजापन के परिशिष्ट-चार के पृष्ठ क्रमांक 3 का प्रयोग करें अथवा निर्धारित प्रारुप का प्रिंट आउट निकाले प्रिंट आउट हेतु यहा पर क्लिक करे, <u>Click Here.</u> प्रा<u>रुप में</u> दिए गये निर्धारित स्थान पर अपना कोटो चिपकाए एवं उसके नीचे दिए गये बॉक्स में हस्ताक्षर करे केवल कोटो तथा हस्ताक्षर के हिस्सों को ही स्केन करे, पुरे पेंज को नहीं
30.	 औनलाइन आवेदन हेतु प्रयुक्त किए जाने वाले आवेदक के फोटोग्राफ संबंधी निर्देश :- आवेदक औनलाइन आवेदन हेतु दिनांक 28/12/2011 या उसके बाद की तिथि में खिचवाया हुआ पासपोर्ट साइज का फोटो हो। फोटो का वैकग्राउन्ड सफेद होना चाहिए तथा फोटो में अभ्यर्थी की दोनों आंखें स्पष्ट दिखाई देनी चाहिए। फोटो के निचले हिस्से पर अभ्यर्थी का नाम तथा फोटो खिचवाने की तिथि फोटोग्राफर द्वारा प्रिंट की हुई होनी चाहिए। इस प्रकार फोटो ओर हस्ताक्षर युक्त प्रारुप को स्केंन कर .jpg format में फाइल बनाकर नीचे दिए गये Browse पर click करके scan की गयी file को Attach करे।
	फोटो तथा उसके नीचे हस्ताक्षर कर Image file (max size 50 kb)अटैच करे।*

फोटो हस्ताक्षर का फॉर्मेट

टीपः-

प्रिंट निकालने के लिए प्रिंट बटन पर क्लिक करे..



ओनलाइन आयेदन हेनु प्रयुक्त किए जाने याले आयेदक के फोटोव्याफ संबंधी निर्देश :- आयेदक ओनलाइन आयेदन हेनु दिनांक 28/12/2011 या उसके बाद की तिथि में विचयाया हुआ पासपोर्ट साइज का फोटो अपने पास रवें। फोटो का वंकव्याउन्ड सफेद होना चाहिए तथा फोटो में अभ्यर्थी की दोनों आंखें स्पष्ट दिव्याइं देनी चाहिए। फोटो के निचले हिस्से पर अभ्यर्थी का नाम तथा फोटो विचययाने की तिथि फोटोव्याफर हारा प्रिंट की हुई होनी चाहिए। आयेदक ओनलाइन आयेदन करने के पूर्व उक्त बोकस में निर्धारित बाकस के अंदर अपना नवीनतम पासपोर्ट साइंज का फोटो चिपकाकर फोटो के नीचे हस्ताक्षर हेनु निर्धारित बोकस के अंदर

2. आवदक आलशहन आवदन करन के पुत्र उक्त बाकेस में निर्धारत वाकेस के अंदर अपनी नवालतम पासपाट साइज का फिटा विपकाकर फाटा के नाच हस्ताक्षर हुनु निर्धारत बाकेस के अंदर काले बोल पोइन्ट पैन से इस प्रकार हस्ताक्षर करें कि वह स्पष्ट हो तथा हस्ताक्षर का कोई हिस्सा बोकेस के बाहर न जाए। यदि आवेदक सुविधा केन्द्र के माध्यम से आवेदन करना चाहे तो फोटो व हस्ताक्षरगुक्त उक्त पेज सुविधा केन्द्र संचालक को स्केन हेतु प्रदान कर स्केन पंधात वापस के लें। यदि आवेदक स्पर्य आवेदन करना चाहे तो फोटो व हस्ताक्षरगुक्त उक्त पेज सुविधा केन्द्र संचालक को स्केन हेतु प्रदान कर स्केन पंधात वापस के लें। यदि आवेदक स्वयं आवेदन करना चाहे तो फोटो व हस्ताक्षरगुक उक्त पेज को इस प्रकार स्केन करें कि स्केन की हुई इमेज में फोटो तथा हस्ताक्षर हेतु निर्धारित बोकेस को कल्टेन/समाहित करने चाले योक्स को बाहर का हिस्सा स्केन न हो। उक्त प्रकार स्केन की हुई इमेज को jpg फारमेट में save करें। इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए कि स्केन की हुई इमेज का साईज 50kb से अधिक न हो।

मोबाइल नंबर/ईमेल एड्रेस पर भुगतान की पुष्टि

यदि आप अपने भुगतान की पुष्टि तथा अपने आवेदन संबंधी अन्य सूचनाएं (जैसे त्रुटि सुधार, आवेदन निरस्त होने संबंधी सूचना इत्यादि) चाहते हैं तो अपना मोबाइल नंबर/ईमेल एड्रेस अथवा दोनों डालें|

यदि अ	ाप अपने भुगताव	1 की पुष्टि तथा अपने आवेदन संबंधी अन	य सूचनाएं (जैसे त्रु	टि सुधार, आवेदन निरस्त होने संबंधी
सूचना	इत्यादि) चाहते	हैं तो अपना मोबाइल नंबर/ईमेल एड्रेस	अथवा दोनों डार्ले	
31.	मोबाइल तंबर		ईमेल एड्रेस	

आवेदन को भली भांति चेक करने के बाद नीचे बने "Submit" बटन को क्लिक कर दे, आपका आवेदन **Save** हो जायेगा, जिसका आपको 1 message भी मिलेगा| इसमें प्रदर्शित अपने Application No. को नोट कर ले|

Cubult and deart and an interfactor and it and marine the same at
Submit Over at teel of a di aldueri que de el Sato Suver el ajencie devi Submit Payment Edit
Message
Application saved Successfully , and Your Application No. is:
Pre110601000065
ok

भुगतान से पूर्व अपने फॉर्म को 1 बार पुनः अच्छे से जाँच कर ले, यदि कोई त्रुटी हो तो उसे "Edit" बटन) पर क्लिक कर पुनः त्रुटी को सुधार जा सकता है| पूरी तरह संतुष्टि के पश्चात् "Payment" बटन पर क्लिक करे| आपको लगने वाली कुल राशी की जानकारी भी यही पर मिल जावेगी|

आपका आवदन क्रमाक:	Pre11090100	000163	
Application Fee		₹ 400/-	
Portal Fee		₹ 35/-	
Total Fee		₹ 435/-	
अपना Application No.	तथा परीक्षा शुल्क भुगतान के उपरांत प्राप्त कम्प्यूट	टराइज्ड पावती रसीद को संभालकर रखें।	
	Submit Payment Edit	_ }	
	Application Fee Portal Fee Total Fee 319 Application No.	अपको आवदन कमाक: Application Fee Portal Fee Total Fee अपना Application No. तथा परीक्षा शुल्क भुगतान के उपरांत पास कम्प्यू Submit Payment Edit	आपका आवदन कमाक: Pre1109010000163 Application Fee ₹ 400/- Portal Fee ₹ 35/- Total Fee ₹ 435/- अपना Application No. तथा परीक्षा शुल्क धुगतान के उपरांत पास कम्प्यूटराइज्ड पावती रसीद को संभालकर रखे। Submit Payment

यदि आप Facilitation Center नहीं है तो Citizen पर क्लिक करे..

Application Number:	Pre1109010000163		Amount:	₹ 435 /-		
	3Pe Pacilitation	ayment Gat	eway			
	User ID Password					
		Login R	keset	8		
	THE					

अपना Payment Gateway चुने

- ICICI Payment Gateway किसी भी प्रकार का MASTER / VISA Card के लिए
- SBI Payment Gatewat किसी भी प्रकार का MASTER / VISA / MAESTRO Card के लिए
- NetBanking State Bank of India / AXIS Bank के लिए

ode of Payment
O ICICI Payment Gateway (All Master/VISA Card)
OSBI Payment Gateway (SBI ATM cum Debit Card/All Master/Visa Card)
ONetBanking (Online Debit Facility)
O Pay through SBI Pay Slip (only for COUNSELING)
O Pay through AXIS BAnk Pay Slip (only for COUNSELING)
Go Cancel

जो भी आप्शन आप चुनेंगे वो आपको सम्बंधित बैंक के वेबसाइट पर ले जाएगी| Payment successfully होने पर आपको ऑनलाइन पावती मिल जावेगी.. प्रिंट बटन को क्लिक कर आप इसे प्रिंट भी कर सकते है| आप यह सुनिश्चित कर ले की Payment Status के सामने Payment Done ही हो अन्यथा आपका अवेंदन मान्य नहीं होगा|

						Q) and	936M094M29		amalask
afati	ाल विवरण									
Receip	ot Date :09/01/20	912		Receipt	Time 12131 PH		11	80480318283	12671	4
		2012 14	21.24	Davmar	t Chatur Baumant D		France action 1	4 13010033	00774	0051046
Payma	ent Mode: Cash	2012 14	51:54	Paymer Daid Am	A Status Payment D	une /	Channal ID	x07000000	99.37.45	931940
Exam	Name :			State 5	ervice Preliminary E	caminat	tion - 2011		~~*	
्यति	ज्यत विवरण				1907 BAR 900000918491					
eitese	ante.	11	Pre1109010	0000163						
etter	श आज		SHANKAR D	A5						
-	r HER		A C DAS						-	
	r etar		SAVITA DAS							
	100		14/10/1086							
			Indian							
	Distant		and and the							
11 C 44	वेटन विवाहित है?		ot Married	यदि स	ते फिल्म की सिदि		stitus a	रती की संबद्ध	11.	
that .	करते की अन्य लिपि			ज्या औ	tar and year \$7	122	uet		U	n Reserve
-	he of 1, 10, 10, 10, 10	R3) -		100 JA	मेदवर विध्वनुष्परित्वस्त		120		м	ale
म अ	dge foeste 8?		10	Torute	त का प्रकार)		(Deputy)	র বা হারিংর	÷-	***
	भोदयार को किसी भी थ रकत से फिटजिल किसा न	रोसा राजा ह7 ।	10	छ, म, व प्रोरसाहन	प्रांत इस अंतर्जनीय विवास सितु पुरस्कृत		मय आहे इन्	হল ড. শ. লা মূল জি	unifi N	0
च अ	doe kjegt silte si	'n	10	यदि हो हेल हो	ते उसने कुन किलने माह नेपा छे हैं ?		002 330 928 x0	तेद्वार वा कमी हेवा थे का दुवित किया नवा है	17 1	10
æ 52	भीदवार स्वयतेवी होमन	nt 87 - 14	10	यदि हो स्वयं की ह 7	तो उसने कुम फिलने माह 1 होमगाई के रच में होता ई	,	कारक है। कार्यान कार्यान	मेदवार स्वतं धरिवार कार्यक्रम के अंतरीत की	erns	
2 32	जोदयन किंश कर्जी है?	-		यदि हो जिल्लावय	त उपले कुछ किलाने आह ते के रहा हो जीवा ही है ?		गरीका के	5	(0	(C)
क उन कोर्ड/ प्राप्त व रनम/	मीदधार छ.ग. शासन क स्वयादी शासनीय सेंधान ग्या वह छ.ग. राज्य के नंडल में सेंधारत है?	, n	<u></u>	यदि उम जियोला हुए आस बच्चे की	मीदवार बेजारत हे तो अधिकारी की मुफित करते तीने प्रमान पत्र हेनु आवेदन तिथि	_	वद्या उम्प्र प्रदेश स प्रदेश प्र राष्ट्रीय यू	तिहास छ.ज. शासन हा जीव पाल्डेव पुण्डापुर सज्ज्यात/मांसा इ.मे.जीव राज्यात अंध स.प्रदेश राज्यात श्रीत ही?	श ज्या –	
च अ म्या न	देहरू की करते सेया से 1 यह है?	हरत _		यदि हो आह का की फटन	तो उसे उस सेवा का किसते अनुसंध है, जिससे उल्लोचन 1 की नई है?	·	भूम भूम भूम भूम भूम भूम	तेदधार के दिनद कोई त प्रकारण अधित है अप्रे पुत्रा है?	on N	0
		N M	5 Years, 2 onths And : avii	19						
5										
3	मेद्रधर देस मुरश सेध और उसके परिणान्डला	् स्रमेशते स उसे जिसेल	त हे जो किसी कर दिया तथ	दलने देश र हो ।	2. de a con a su	en 1933	रे किसी कोंज़ी कार्य	गहा के दोरान विकर्मन	No	
म् या इस् भा मां दि इस्	मीदधार तेमा मुराना मेध और उसके परिणारधल्य मीदधार दिवलालान से म दुलावास द्वारा उसे जानी	् समेचरी स उसे जिम्रेन प्रतीव सूल 1 निया गया :	र हे जो किसी कर दिया तथ स यास्त्रयिक र शायसकाल प्रज	दूसरे देश र हो । एकवर्णित (एम पत्र फॉर्ग	, हुए पुर क दोना थे जात मारतीय प्रसार्वदेखरी) त्यकि ज कर रहा ही तथा जी विव	गत और ने ही लोग ने लगान नी	र्म किसी कोंग्री कार्य साथ ही पेसा उनसी आरल में जुलाई 1	वहा के दोरान विकर्णन (वार, जो विकल्लाम में 975 के पूर्व ल आया ह	No No	
	मीदवार रोमा झुरका सेवा और उसके परिणस्वरूप मीदवार विवलमाम से म दुलवाम इपरा उसे कही अन्यवा के का प्रका स मीदवार रोमा म्लूलपूर्व हैरी देव मार्थलमा के कारण।	क्रमेकरी स उसे जिम्रुल पतीब सूल 1 विक्रा गया : हि । तिक / क्रमीश क्रमेल वा क्र विक्र जे क्रम	र हे जो किसी कर दिया सम मा प्रास्तविक प्र सामलकान प्रज मा उपरे प्र प्रियमुक किंग उ	दूसने देश न (ही) (त्याचार्तील ((त्या पद प्राती (कर सिर्च (त्रां से सिर्ज प्रायाण स्वेत्री	पुर पुर के उसके के उसके भारतीय प्रस्तार्थियों) (यात्रि ज कर एक हो तथा जी पिय अं/राज रज्ञ , से.ओ शाजित है और जिस्ते दुरावरण या उ । विद्यों में सेया पूरी करने जाते हैं।	स्त औष व हो लोग व ललम वी शहर ही है पि शहर ही क्रुंट	में किसी कोंग्रे कार्य साथ ही ऐसा उनमेंग भारत में दुसाई 1 सन्दर्भ परीक्षा प्रारंभ रुप में किस नेवा के 8 किस नेवा रेश (5	यहां के दोरान विकल्पन में 2017, जो विवलनाम में 27.5 के पूर्व ल आया ह रहेने की लागिय से 2018 हुई शतीरिक तमी हे रहीके की शायि	No No No	
म् म इन्द्र म से इन्द्र रहीव म इन्द्र म ज मिल मिल मिल मिल मिल मिल मिल मिल मिल मिल	मीदयार तेवा जुरका मेया और उसके परिणारवल्य मीदयार विवतसाल से म पुतावास 200 उसे 2011 उलापनी को मीरिक से गिदयार देशा मुत्रपूर्व मेरी उलापनी को मीरिक से करना को मेया अवधि उस ल को मेया अवधि उस ल को मादतीय मुझ की , जिससे 1 जुर, 1963 व प्रायोक है, जिस्सो 1 ह	प बन्देणते तः उसे पिन्दुन तिथा नया । ति । ते कर्म से एवरिन से पिय में एह वो स्व उसके तो स उसके रोपर, 1964 देवले 1 उसके	व हे जो किसी कर दिया सम मा पास्तविक प मा पास्तवान प्रज क उ प्रवे पुर किस्तुक किस प्रथान स्वतन प्रथान स्वतन प्रथान स्वतन प्रथान स्वतन प्रा	दूसने देश ते (हो) ((हा पह फ़ो (हा पह फ़ो (हन फ़िर्म (हन हिंदे (हन ही) में प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त (हन के प्राप्त (हन के प्राप्त (हन ही) (हन के प्राप्त (हन हो) (हन ह)) (हन ह)) (ह)) (हन ह)) (ह)) (ह)) (ह)) (ह)) (ह)) (ह)) (ह))	37 पुर म उन्सा के मान मारतीय पानमेटेपती) रवकि ता कर रहा ही त्यांत जी दिय अं/राज राज है त्यांत जी दिय है और दिनके टुरावरान वा उ र हिंदारी में साथ पुरी करते वाली है। क है पर्व (1) क्या जात कर्म कर ही, अध्या (2) क्या जात किया है, व्यांत (2) क्या जात 1971 के दीप की कालवार्डी	स्त भीव व हो तथा व तलाम वी (है) है दि (है) है दि (है) है दि (है) है दि के सार के सार के सार के सार के सार	दे किसो चोडी कांचे सारत में दुलाई 1 अगरत में दुलाई 1 राज सीतन संघ के के किसा नया था (के किसा नया था (में साराजि सुर्व को सारती सीत पूडी पालिस्तान र अगरत में प्रयान 1	यहां के दोरान विकल्पन रवार, जो विवालतम में 975 के पूर्व के आया ह रविसा हुई शतीपक से रविसा हुई शतीपक जम्मे वे रवपित से शामि विक स्वदेश प्रत्यावसित प्रार्थनीयक श्वर्यदा ((आप प्रत्यावस्थि) में केवा हो।	No No No No	
में त हो के उन्हें रही के उन्हें रही के उन्हें रही के कि प्रमान रही कि प्रमान रही कि	मीदधार वेशा कुरशा सेवा और उसके परिणास्टक्स मीदवार विकासक से क दुलावा प्राप्त उसे कती उलापती को मीतिक सेव मीदवार विश्व मुलपूर्व सेते उलापती को मीतक सेव को मेदा अपनि के सारग (जिसके 1 कुर, 1963) का प्राप्तिक दुल की का विकासित स्वाहित 1 का विकासित स्वाहित 1 का विकासित स्वाहित 1 का विकासित स्वाहित 1	प सर्वणां स उसे निर्मुख मतीव सुम न मिक / स्वरीश स्वीरन का उ स्वित्त मिक स्वीरन का उ स्वार सिंहर, 1926 दिवले 1 उस	व हे जो किसी कर दिया तया मा प्रस्ताविक र मायाक्रमा प्रश्न का 5 प्रदे प्र का 5 प्रदे प्र का 5 प्रदे प्र का 5 प्रदे प्र का 5 प 5 प्र का 5 प	दूसने देश 3 हो । त्याचार्थित (त्या पद प्रती किस्टी हे आ ति से प्रयान के प्रयान ते में प्रयान ते में प्रयान ते में प्रयान ते में प्रयान	पुण पुर प उन्हां के उन्हें सारतीय समर्थदेखरी) (बकि त कर रहा हो तास की फिर अग्रे/पर तरा, हो और प्रात्मित है और फिर्म दुराधरन या उ र प्रदेशि में सेस पुरो करने साले हैं।) के हैं क्ये (1) क्या आप किया ही, अंध्या (2) क्या आप	म्म भीव व ही तथेन व तलाम ही (है) है कि विस्तान व पर जिन्द्रेन के द्वीरप्र के द्वीरप्र के द्वीरप्र कर्म	वे किसो परित कार्य साथ कि पैसा उपयो अपल में जुलाई 1 कार्यत मेंग का प्राप्त का किसा नया था (इ कार्या प्राप्त का प्राप्त का पूर्व पालिस्तान माराल में प्राप्त में प्राप्त 1 काराल में प्राप्त में प्राप्त 1	वही के दीराज विकल्पेज दबार, को विवारताल में 975 के पूर्व न आया ह दीराल हुई प्रावीरिक तमी वे दवरिक की शावि वास्तविक स्वदेश प्रायविक स्वदेश ((सब बेनलदेश) में केवा ही) वास्तव का स्वाय	No t No No	t da a
द्व त तो द राजेव राजेव राजेव राजेव राजेव राजेव राजेव राजेव राजेव राजेव राजेव राजेव राजेव राजे राजे राजे राजे राजे राजे राजे राजे	मीद्रयात वेशा कुरका सेवा और उसके परिणास्टक्स मीद्रयात दिवलावाल से भ मुद्दालाल द्वारा उसे जती । जापती को मीजिल की । जापती को मीजिल की माज मार्थ का प्रतापि को मेंचा अपनी उस ला ला सार्थ स्थापित का मिल्ल ला सिंह में प्रतिमंत्र 1 म त दिवला कि हैं, जिल्ला 1 म त दिवला कि है, जिल्ला 1 म त दिवला कि स्थापित का मिल्ल उसील्पे परीसा 3 क	प्रसंधती स उसे जिस्तुल विक्ता नेता ह विक्ता नेता ह एक्सिस स प्राप्ति कि विक्रा 1966 दिस्ता 1966 दिस्ता 1966 दिस्ता 1966 दिस्ता 1966	प है जो किसी कर दिया कय मा जस्तापिक प मा जस्तापिक प प्राप्त के मीगर स्वार के मीगर स्वार के मीगर स्वार के मीगर स्वार मा के मीगर स्वार प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के स्वार प्राप्त के स्व प्राप्त के , 500	दूसरे देश उ हो । स्वायतित (स्वायतित (स्वायतित (वर सिव समाप्त होते से प्रयास से प्रयास प्राप्तांक 400	पुर पुर प उन्हां के आप सारतीय जन्म रहा हो तांव की पिय अग्रेरण तथा, जी और वाणित 8 और जिन्हें दुरायरण या 3 8 प्रेरणी में सेवा पूरी करने वाली है। 9 है क्यें (1) ल्या अगर किया ही, मंचया (2) ल्या आप किया ही, मंचया (2) ल्या आप किया ही, मंचया (2) ल्या आ किया (2) कि जिया की का लागा ही	म्म और उ हो लोग के लगाम हो काम्प्रेल के कार्य किया के द्वीरा के द्वीरा को दिन को दिन को दिन को दिन	वे किसो परित कार्य साथ कि पैसा उपन्ये अपल में जुलाई 1 किसी परिता पासि के किसा नया था (इ कि सूच की प्राप्त की प्राप्त के सारत के प्राप्त की प्राप्त संस्थाल/ कि प्राप्तिय	वहा क दोराज विकल्पेज दार, जो विवारताज में 975 के पूरे न आप ह दीराज हुई शारीरिक तमी वे दारिक की शारि का स्वरीश दायावारील पास्तविक श्वदेश (आप केंस्ट्रादेश) में केंवा ही) गानस का नाम	No t No w No No antiwi w	ष रोज न 35478
उँ त तो उन्हे राष्ट्रीय प्रथा प्रथा प्रथा प्रथा प्रथा प्रथा प्रथा प्रथा प्रथा प्रथा प्रा राष्ट्र प्रा राष्ट्र प्रा राष्ट्र प्रा राष्ट्र प्रा राष्ट्र प्रा राष्ट्र प्रा राष्ट्र प्रा राष्ट्र प्रा राष्ट्र प्रा राष्ट्र प्रा राष्ट्र प्रा राष्ट्र प्रा राष्ट्र प्रा राष्ट्र प्रा राष्ट्र प्रा राष्ट्र राष्ट राष् र राष्ट र राष्ट र राष्ट राष्ट राष्ट र र राष्ट र र र र र र र र र र र र र र र र र र र	मीदयार देशा क्रुप्ता मेधा और उसके परिणास्टल्या मीदयार विवलास्त से म दुलावास प्राप्त उने कही प्राप्ता का भारत व मीदयार रेसा मुलपूर्व की 1 जनपती को मिलिक सेव आपत्रकार के कारण 1 जनपत्र की प्राप्त की उल्ला को मैसा प्राप्तिक मुद्रा को त प्राप्ति के दिल्लो 1 कार्यवादिक प्राप्ति की उसकि परिकार 3 हार्वन्द्रज्ञ 10 हार्वन्द्रज्ञ 10	प्रसंधती स उस्ते विस्तृत निष्या नेवा अ तिवा में प्रस्ताविक ते प्रयोगना स विकार प्रिके विकार 1996 विकार 1996 विकार 1996 विकार 1907 विकार 1907 विकार 1907	व हे जो किसी कर दिया क्य का जन्मतीक र मायहाकान प्रम प्रक्र आविकार (कम 5 पर्य प्र रबदेश प्रत्यात प्रभाव मनाव वी, 1964 जी स्व पूर्णाक . 300 स 300	दूसने देश ते हो । त्याचार्तन (त्या पद फार्ग (वर किये कर किये कर किये कर क्रिय कर क्र क	पुर प उन्हां के साम के साम सारतीय प्रस्तार्थ्य की दिय जोगक तक रहा हो त्या की दिय और किन्हें दुरायरण या 3 8 प्रियों में सेवा पूरी करने वाली 8/1 8 है पर्य (1)ल्या अगय किया ही, अध्या (2)ल्या अग किया ही, अध्या (2)ल्या आग किया ही, अध्या (2)ल्या आ किया ही, अध्या (2)ल्या 1 किया 1 किया (2)ल्या 1 किया 1	म्म सेव व हो तथा । तनसम व त ही है पि वा तम्बा व तम्बा द के दीक कोई/ MPDSE MPDSE	वे किसो परित कार्य साथ के देशा उपयो भारत में जुलाई 1 किसी परिता परित के विद्या नया या (ह कि मूल की परिता मुख् मेल पूर्व परिताल में प्रयान ! संस्थान//कियापिय	वही के दोरान विकल्पन दार, जो विवरणान में 975 के पूरी न आप ह दोरान हुई धारीरिक तमी वे रवफि सी शामि कर स्वदेश प्रायवासित प्रारतीयक स्वदेश (अब प्रेरतादेश) में क्या ही) रासब का साम 2 2	No 1 No 2 No 2007 009	१ रोल न 35476 60847
म अस्ति । त प्रमान अस्ति । त प्रमान अस्ति । त म अस्ति ।	मीदयार देवा क्रूरका मेथा और उसके परिणास्टक्स मीदयार विवलांगम से म दुलावाम डाल उसे जाती 1 जगावी का मिलक सेन प्रावध्या २० का प्रदान व भीदयार देवा कुलपूर्व मेरी 1 जगावी का मिलक सेन माने मेथा प्रतीप्त कुला की तिस्त दोन प्रति 1 जुल की तिस्त दोन प्रति 1 जनीन प्रति प्रति 1 उसील प्रति प्रति 1 उसील प्रति प्रति 1 उसील प्रति 1 राज्य की प्रता 1 राज्य की	प्रसंधती स उस्ते विस्तृत निष्या नेवा तिवा में का ति । ते के / कमीश ते प्रधानित सा विष्यानित सा विष्यानित सा विष्यानित सि विष्याने स्थान	प है को किसी कर दिया कय का प्राराणिक प प्रायालका प्रक का उपने प्रा प्रियाल का निपा रबदेश प्रस्थात का वर्ष, 1964 की स्व स्व पुर्णाक , 300 NA	दूसने देश उ हो । स्वायपतित (सा पद फ्रांगि (वन किये तो से प्रियन सामसा की में प्रयास प्रास्तवित 400 424 NA	पुर पुर प उन्सा के अप सारतीय पालसीर्टफरी) (कडि ल कर रहा हो तथा की दिव अंग्रेरफ रक्ष , से औ जावित है और क्रिमे दुरायरण का उ ह विद्यों में सेवा पूरी करने का से, अपका (2)ल्पा आप किया से, अपका (2)ल्पा आप किया से, अपका (2)लपा में अंग्रे/ के प्रिय की जालपार्टी विद्य के प्राह्लकर 1 1	म्म और व हो तर्वता । हात्राज्ञा ही कार्वजा ह कार्वजा ह कार्वजा के हो हा कोर्ड/ MPRSE MPRSE NA	वे किसो परित कार्य साथ कि पैसा उपस्थी अपल में जुलाई 1 कन्द्रीले परिला प्राप्त के किसा नया या (ह कि सूच की प्राप्त में सार्व के प्राप्त की प्राप्त संस्थान/ किया प्रिय संस्थान/ किया प्रिय	वहा क दोराम विकल्पेन दार, जो विवरणाम में 975 के पूरी न आप ह दीरान हुई धारीरिक तमी दे रवीफ सी शामि कारतीक स्वर्थना से शामि (अप प्रेरामदेश) में क्या ही) रामय का माम 2 2 2 3	No t No w No No 3+0+1 4 007 009	१ रोज न 35478 69847 NA
म प्रमुख म म म म म म म म म म म म म म म म म म	मीदयार वेशा जुरुषा वेशा और उसके परिणारदरण मीदयार विवासाल से ल दुराल्या No का रचन व शरिवार विवास का प्रत्न की राज्यानी को मीराज तो सा अपलात के कारण । को मीरा उद्देश कारण । का विवास के कारण । का विवास के कारण । का विवास के कारण । इसीम्प परीक्षा 3 हाउँदन्द्रम । इसीम्प परीक्षा 3 हाउँदन्द्रम । इसीम्प परीक्षा 3 हाउँदन्द्रम । 12 हाउँदन्द्रम । 12 हाउँदन्द्रम । 12 हाउँदन्द्रम । 12	प्रसं गिर्मुम इन्हें गिर्मुम विष्या नया । हैं। तर्क त्य के छाप्रीस्त सा व के ज इसके विष्ट, 1964 विष्ट, 1964 वेष्ट, 1964 वेष्ट, 1964 वेष्ट, 1964 वेष्ट, 1964 वेष्ट, 1964 वेष्ट, 1964 वेष्ट	व हे को किसी कर दिया क्य का जास्त्राचिक स आयात्रकाम प्रज प्रक्र 30 में प्री स्वर्थ प्रथान स्वर्थ प्रपत्न प्राप्त के स्वार प्रथान के स्वार प्रथान के स्वार प्रथान के स्वार प्रथान के स्वार स्व स्व स्व स्व स्व स्व स्व स्व स्व स्व	दूसरे देश त त्रि व त्रि व जिल्ला देश जिल्ला है के जिल्ला है में का कि में का कि जिल्ला है के का कि जिल्ला है के का कि जिल्ला है के का कि के का कि जिल्ला है के का कि का कि का कि का कि का के का का का कि का का का का कि का का का कि का कि का कि का कि का कि का कि का कि का कि का कि का का कि का का क	ु पुर क उन्सा के साम सारतीय पालसीईपारी) (वालि त कर रहा हो तथा जी दिय अंग्रेग्स रस , से औ वालिक 5 और दिवर्ष दुरायरण सा 3 5 प्रियेति में सेया पुरी करने या ही, अध्या (2)क्या आप किया ही, अध्या (2)क्या आप किया ही, अध्या (2)क्या आप किया ही, अध्या (2)क्या आप किया ही, अध्या (2)क्या आ 1971 के सीथ की कालवारी केली/कि/प्रतिसहा 1 1	मा और र हो तर्वत । हतराज हो (ह) है कि कि विक्रमल हे कि क	वे किसो परित कार्य साथ हि पैसा उनसी आरत में जुलाई 1 कन्द्रेजे परित साथ के किसा नया के ह कि सूल को साल्ता मिल पुत्री परिवला मेल पुत्री परिवला के राहत में प्रसल 1 संस्थान/ किसापिय	वही के दीराज विकल्पेन दवार, को विवरणताम में 975 के पूरी न आपा ह दीवाल हुई प्रावीरिक जमी दे दवरिक की शामि कारतीयक स्वर्थन वास्त्रविक स्वर्थना (अप वीरलाईश) में केवा ही) रामय का माला 2 2 3 3 3 3 3 3 4 3 4 3 4 3 4 3 4 3 4 3	No t No No No 3-07 009 LA	१ - ऐल न 35478 69847 NA 74A
त प्रम त से म प्रमित्र प्र प्रमित्र प्रमित्र प्रमित्र प्रमित्र प्रमित्र प्रमित्र प्रमित्र प्रमित्र प्रमित्र प्रमित्र प्रमित्र प्रमित्र प्रमित्र प्रमित्र प्रमित्र प्रमित्र प्रमित्र प्र प्र प्रमित्र प्र प्र प्र प्र प्र प्र प्र प्र प्र प	मीडवार तेवा जुरसा मेवा और उसके परिणाहयस्य मीडवार विकासक से म दुरावास 200 उसे जाती 1 जावनी को मीजिक से प्रायास 10क प्राया 1 औरवार देशा मुलपुरे मेंगे 1 जावनी को मेवा प्राया 1 को मेवा अपनी उस ला का विद्यादा प्रायति 1 जावने 1 जुल, 1963 का प्रायतीय प्राया 5 , जिसमें 1 जुल, 1963 का प्रायतीय प्राया 5 , जिसमें 1 जुल, 1963 का प्रायतीय प्राया उस्ताल्प प्राय कार्य / माणि प्राय कार्य /	जन्मेयती न उन्हे पित्रे मुझ् मतीव मुझ तिवा नवा तिवा नवा याहि व याहतीय न याहि हि याहतीय नि याहि हि यहते मि यहति मि यहति मि यहति मि यहते मे यहते मि यहते मि यहते मे यहते मे यहते मे यहते मे यहते मे यहते मे यहते मे यहते मे यहते मि यहते मि यहते मि यहते मि यहते मि यहते मि यहते मि यहते मे यहते मि यहते मि यहते मि यहते मि यहते मि यहते मि यह प्ते मे यह यह यह यह यह यह यह यह यह यह यह यह यह	व हे को किसी कर दिया क्य का जास्त्रकिक स्थान इन्हे आणिकार (ज का 5 अपिया का प्राप्त के सीवर का के सीवर का प्राप्त स्वात के प्राप्त स्वात के प्राप्त स्वात के प्राप्त स्वात के प्राप्त स्वा के प्राप्त स्वा के प्राप्त स्वा के प्राप्त स्वा के प्राप्त स्वा के प्राप्त स्वा कियेद्रका कियेद्रका कियेद्रका कियेद्रका कियेद्रका कियेद्रका कियेद्रका	दूसरे केम उ मार स्वित्य प्रिंग प्राप्त प्राप्त को से प्रियन सम्प्राप्त प्राप्ता के 400 424 NA 74A साम प्र	मुन्दू प उन्हां के साथ के साथ मानलेक पाल ही लोग जी दिया जो/पट तथा, ही लोग जी दिया डे और दिल्के टुरायरान या उ र दियांग में प्रेया पूरी करने पाली हैं। के है क्यों (1) क्या आप किया है, अंध्या (2) क्या आ 1971 के दीप की कालपार्टी केली/ के/ प्रतिकत् 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1	ला शेष व हो तथा व हात्राम ह हात्रा ह हा ही ही हा ह हा से साम स्वी से साम साम साम साम साम साम साम साम साम साम	ते किसी परित उन्हें। साल ही देखा उन्हें। साल ही दुलाई 1 कार्यत सीतन सोय थे 5 किसा नया था (5 कि सूच को साल कि पूरी परित मूल को ता प्रत परित की प्रयान ह साल ही प्रयान संस्थान/किपायिप	प्रदे के दोराज विकल्पन 2017, जो विवारणाम में 275 के पूरी के आपा ह दोराज हुई शांतीएक जमी वे स्वीर्फ सी शांति के रवदेश प्रान्यावर्तित प्रार्थ वीमको स्वीर विकल सी विकल सी त म म म म म म म म म म म म म म म म म म	No t No t No No 3304 0 007 009 14 14	१ दील न 35476 60847 NA 142 8 प्रमाण
5 1 57 1 5	मीडवार तेवा जुरसा मेवा और उसके परिणारवर्क्य मीडवार विकल्माम से म दुलावाम के प्राप्त उसे जाते प्राप्तवा No का प्राप्त व मीडवार तेवा मुलपुरे सेंगे 1 जावनी को मिल मेव प्राप्तवाम को प्राप्त निर्णन को मेवा अपनी उस ला का विद्याद्वीय द्वारा है, जिल्हों 1 अनु त विद्यादीन प्राप्ति 5 जिल्हों 1 अनु त विद्यादीन प्राप्ति 5 जिल्हों 1 अनु त विद्यादीन प्राप्ति 5 जिल्हों 1 अनु त विद्यादीन प्राप्त 5 जिल्हों 1 अनु त विद्यादीन प्राप्त 5 त विद्यादी प्राप्त 5 मानालीकर 14 मानालकर 14	जन्मेयती न उन्हे पिले मुझ् मतीव मुझ तिवा में म र्योग्ल वा उ रिवा में प्रद विवा में प्रत विवा में प्रत वेवा में प	व हे को किसी कर दिया क्य का जास्त्रकिक स्थान इन्ड आणिकार प्रज का के जीवन का के सीवन का क्या का का का का हिस्ते का क	दूसरे केम व मार स्वित्व दिस का पह आ जिल्हा देशो का से प्रियन सम्प्रा ही प्राप्ता है 400 424 NA 74A स्वास व प्रत्या	ु, पुर क दर्शन के उसा के उसा मारतीय पानसेदेखरी) त्वकि त कर रहा हो त्यंत जो दिव 5 और दिनई दुरायरन वा 3 र दिवरी के देरायरन वा 3 र है क्वी (1) नया आप दर्ज वा है, अवा (2) क्या आप किवा हे, अंधवा (2) क्या आप किवा हे, अंधवा (2) क्या आप किवा हे, अंधवा (2) क्या आ किवा हे, अंधवा (2) क्या आ किवा हे, अंधवा (2) क्या आ किवा है, अंधवा (2) क्या आ किवा है, अंधवा (2) किवा आ किवा के का का कि किवा आ	मा होप र हो त्यां म (ह) हो ((ह) हो ((ह) हो ((ह) हो ((ह) हो (ह) हो ((ह) हो (ह) (ह) (ह) (ह) (ह) (ह) (ह) (ह) (ह) (ह)	ते किसी परित उनकी साथ ही ऐसा उनकी अपल में जुलाई 1 प्रत्ने पीला पासि रे किसा नया था (कि सूच को पास्त्र) वि मार्ग को पास्त्र) का पूर्व परित क्रम संस्थान/पिश्वापि जॉक सक	प्रदा के दिसम विकल्पन प्रार, को विकलाम में 275 के पूर्व न आप ह दोसम हुई मजीविक नवी वे स्वीत्र से माप्ति क्य वे स्वीत्र से माप्ति प्रार विन्तर्द्रम प्रायाप्तित प्रार विन्तर्द्रम हो विकल हो। विनय का नाम दूर स्वीतने का कारण	No No No No No No No No No No	१ रोल न 35476 60847 NA 142 व प्रमाण स्वाक
5 1 57 1 5	मीडवार वेशा जुरसा मेवा और उसके परिणारवस्य मीडवार विजनाम से म दुतावास हारा उसे जाते प्राण्या No का प्रजन व मीडवार वेशा मुलपुरे मेंगे 1 जावनी को मीडिक मेव को मेवा अपनी उस्त जा को मेवा अपनी उस्त 1 का विश्वपालि प्राणित 5 1 जिस्त 11 मुझ, 1963 का विश्वपालि प्राणित 5 1 किस्त दो मंग्रे रा उस्तीम प्रदेश 3 साराज्य 10 माला प्राय कार्स्स / वारित प्रद	ज कर्मचती रा उस्हे गिस्ट्रेज जिल्वा सवा हिं । ते र व्याप्ति विद्या से प्रह वास्ट्रत्विक स वास्ट्रत्विक स वास्ट्रत्विक सिं उप्रती क उसके पंचर, 1964 दिवस कि प्रति ि प्रति ि प्रति ि प्रति न्या प्रति ि प्रति न्या प्रति न्या प्रा प्रति न्या प्रा प्रा प्रा प्रा प्रा प्रा प्रा प्र	व हे जो किसी कर दिया क्य का जान्नाचिक प् अपयाक्षमा प्रज प्रदेश जीवनार (का 5 पर्व प् प्राप्तम के मौनर प्रकार के मौनर प्रकार के मौनर प्रकार का के प्रकार के प्रभाव मान के प्रभाव मान के प्रधान के प् राप्त के प् रा के प् रा के प् राप्त के प् रा के प् त के प् के प् त के प् त के के प् त के के प् त के के प् त के के प् त के के के प् त के के प् त के के के प् त के के के के प् त के के क	दूसरे केम व मार्ग स्वित्व प्रिय का पह प्रधान का प्रदान का प्रधान का प्रा का प्रा का प्रधान का क	ुम पुर म दर्भमा अम्म मनलेव पामर्थदेश्वमी) त्वकि त कर रहा ही तथा जी दिव 5 और दिवर्ष दुरावरण वा 3 र दिवरी दिवर्ष दुरावरण वा 3 र दिवरी में प्रेया पुरी करने वामी है। क है क्व (1)क्या आप किव ही, अंध्रमा (2)क्या आप किव ही, अध्रमा (2)क्या आप किव ही, अध्रमा (2)क्या आप किव ही, अध्रमा (2)क्या आ 1971 के दीव की कामप्रदी कैपी/ ds/ परिस्कर 1 1 1 NA NA सेवा अवधि दिवर्ष से 	मा मेप र होतान ही (संसत ही (संसत) र पर सिद्धे र ने साल सेवे र ने होता (MPBSE NA MPBSE RA RA RA	वे किसो बोझे कामे राय ही पंचा उन्हों अपल में जुलाई 1 काईवेर्न परील पांचि का स्था को परिल पंच का स्था को पारिल नेता पूर्व परिल्लाविप संस्थान/ विश्वापिप संस्थान/ विश्वापिप नोक तक 	प्रदा के दोराज पिकल्ले प्रदार, जो पियालास से 275 के पूरी के आपा ह दोराज हुई आरोपक राजे के आरोप से प्राय कि स्वदेश प्रायाप्रित प्राय कि स्वदेश प्रायाप्रित प्राय कि स्वदेश प्रायाप्रित प्राय कि स्वदेश प्रायाप्रित प्राय कि साम तसव का साम 2 2 3 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1	No N	⁸ रीज न 35478 69847 NA 70A 70A 8 प्रमाण व्यांक
S SPACE	मीदयाद वेशा कुरका सेवा और उसके परिणास्वरूप मीदयार विकासक से स् दुतायास क्षेत्र प्राप्त उसे जाती । कापनी को निश्चि केने अपिया रे कि प्राप्ता 1 कार्य सारकार सुम की सं अध्याप के कारण । . जिसके 1 कुर 1 . जिसके 1 कुर 1 . जिसके 1 कि प्राप्ता . जीति प्रार्थ कार्य . जाताकील प्राप्ता . जाताकील प्राप्ता . जाताकील प्राप्ता . जाताकील प्राप्ता . जाताकील प्राप्ता . जाताकील प्राप्ता . जाताकील प्राप्ता 	प्रसं जिल्हा प्रति मुझ्ल प्रतीय मुझल किया नेवा ह विष्या नेवा ह विष्या नेवा ह विष्या नेवा ह विष्या नेवा ह प्रति ि प्रिति निप्त भूमिया प्रस्त क्षेत्र गय	प हे जो किसी कर दिया क्य का जानाफिक प्र आयाजकाल प्रज म्ह आविवल (क्य 5 पर्व प्र प्राप्त के सीगर प्रकार के सीगर प्रमान के सीगर प्रथान मना के प्रभाव मना के प्रभाव मना के प्रधान का कियाजक का करवीजक का करवीजक का	दूसरे केन र मान प्राच्यापतिन (पान पह पति ताने के प्राप्त के के प्राप्त के प्र के प्राप्त के प्राप	पुर पुर क उन्सा से साम सारतीय पानसेदेखरी) त्यकि त कर रहा हो तथा जो दिव डे.और फिले टुरायरण या उ र दिवरी देने टुरायरण या उ र दिवरी में प्रेया पूरी करने वासी है। के है कर्ष (1)क्या आप किया है, अपम (2)क्या आप के किया जातीप हिराबंड के 	मा सेव व तमाम जे तमाम जे तमाम जे कार्य पर पिन्दुंभ कार्य पर पिन्दुंभ कार्य पर पिन्दुंभ कार्य के प्राप्त कोर्ड/ MPBSE NA NA NA NA	वे किसो बोझे कामे राय ही पंथा उन्हेंगे अपल में जुलाई 1 किसी परेला पांस के किसा नया था (इ कि मूल को प्रस्ता या (इ कि मूल को प्रस्ता के साल जी प्रसार संस्थान/ किया पिय संस्थान/ किया पिय वा जबपि	वहा के दोराज विकल्पन दवार, जो विवारताब में 275 के पूरी के आपा ह दोराज हुई शजीवक जमी है दवकि सी शामि के स्वदेश दाग्यावरित वास्तविक स्वदेश (आप दीन्यदेश) में केवा ही। वस्तव का साम वस्ट स्वेडीजने का कारण 	No t No t No to to to to to to to to to to to to to	⁸ रीज न 35478 69847 NA 70A 8 राजाण दार्वाक
S SPECTER Content Cont	मीडवार वेशा कुरसा मेवा और उसके परिणाहयस्य मीडवार विकासक से म दुतावास हारा उसे जाति प्राप्तवा No का प्रका थ मीडवार विश मुलपूरी मेंगे 1 जावनी को मींगक को मींग मेंवा अवस्थि उस ला को मेवा अवस्थि उस ला का विश्ववादित व्यक्ति 1 क ताविस् प्रदाय उ मानाव्यकि प्रदेशा 3 ताविस् प्रदाय अप्र मानाव्यकि प्रदेशा 3 ताविस् प्रदाय कार्य्य / वारिस प्रद	प्रसं जिले प्रति मुझ्म विषया नया । हर्षे । तेर्व म में प्रद् व्यक्तिम या । तेष्य में प्रद व्यक्तिम या उपने प्राप्त 196- द्विया प्रिंग २०१४ मध्य २०१४ मध्य २१ २१ मध्य २१ २१ मध्य २१ २१ २१ २१ २१ २१ २१ २१ २१ २१ २१ २१ २२ २१ २१	प हे जो किसी कर दिया क्य का जानाफिक प्र आयाजकाल प्रज म्ह आविवल (क्य 5 पर्व प्र प्राप्त के सीगर प्रकार के सीगर प्रमान के सीगर प्रमान के सीगर प्रमान के सीगर के प्रभाव मना के प्रभाव के साम के प्रधान का कि प्रिय प्रमान कि प्रिय के का कि प्रमान के साम कि प्रिय के का कि प्रमान के का कि प्र न के का कि का कि प्र न कि प्र न कि प्र न के कि जी के कि का कि प्र न कि प्र न के का कि का के प्र न के प्र न के जी के कि के कि का के प्र न के के प्र न के के प्र न	दूसरे केम व मार्ग में राज्य पर पाने जिल्हा है औ जिल्हा देशी का के किम सम्प्राप्त के प्रयास प्राप्ता 400 424 NA 76A 76A 76A 76A 76A 76A 76A 76A	ुम पुर म दरमा से आग मनलेव पानसेदेखरी) त्वकि त कर रहा हो तथा जो दिव डे.और दिन्हे दुरायरण वा उ र दिवरी देने दुरायरण वा उ र दिवरी में प्रेया पूरी करने वाली हैं। के है कर्ष (1)क्या आग किवा ही, अंध्रम (2)क्या आ 1971 के दीव के कालवरी के की/ के प्रात्मकर 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1	मा सेव व तमाम से तमाम से तमाम से कार्य पर पिन्दुंभ के मार के मार कोर्ड (कि मार का मार कि मार का मार का मार का मार का मार का मार का मार का मार का मार मार मार मार मार का मार का मार का मार मार का मार का मार मार मार का मार मार का मार मार का मार का मार मार का मार मार मार मार मार मार मार मार मार मा	वे किसो परित सारे साथ के देसा उपने भारत में जुलाई 1 कहरेंने परिता पासि क किसा नया या (इ कि सूच को प्राप्त या (इ कि सूच को प्राप्त या (इ का प्राप्त ये प्राप्त को संस्थान/ कियापिप प्रा अवधि मा अवधि	वहा के दोराज विकल्स में 2017, जो विवारणम में 275 के पूरी के आपा ह दोराज हुई शतीपक से दोराज हुई शतीपक से वास्त्रीक श्रेयदेश पर विकल्प राज्य विकल सी विकल साम विकल से साम विकल	No t No t No to to to to to to to to to to to to to	षे रीज न 35478 69847 NA 70A 8 राजाण द्वांक
S s se t et t se t se	मीडयाद वेशा जुरका सेवा और उसके परिणास्वरूप मीडवार विजनाम से म दुतावाम हारा उसे जाते प्राण्या No का प्रजन व मीडयाद वेशा मुलपूरी सेती 1 जापनी की मिल मेंगे जाप मारदर्शिय मुझ की के कारण 1 का प्रायत्वीय प्रदान 3 तर्वे में प्रायत्वा 3 तर्वे में प्रायत्वा	प्रसं जिले उसे जिले मिक्स नवा ह विक्स नवा ह विक्स नवा ह विक्स नवा ह विक्स के प्रद वार्य के प्रद के प्रद के प्रद के प्रद के प्रद के प्रद के प्रद के प्र के प्रद के प्र के के के के के के के प्र के प्र के प्र के प्र के के के प्र के प्र	व हे जो किसी कर दिया क्य का जानाफिक प्र अपयाक्षमा प्रज म्ह आविवस (का 5 यदे प्र प्राप्त के सीमर प्रकार के सीमर प्रमार के सीमर प्रभाव का के के प्रभाव का के प्रभाव का के प्रभाव का कि प्रिय प्रमा कि प्रिय प्रमा कि प्रिय के का कि प्रमान का कि प्र मार्ग के सीमर कि प्र कि के कि के के कि के के कि के के के कि के के कि के	दूसरे केन र मान प्राच्यापतिन (पान पह पति ताने के प्राप्त सम्पाप होने तीने के प्राप्त सम्पाप होने पासर्ग ह पासर्ग ह 400 424 NA NA NA नाम प प्राप्त	27 पुर प उनसे आ साम समलीय पानसेदेखरी) त्यकि त कर रहा हो तथा जो दिय 5 और दिनई दुरायरण या 3 र दियरी दिनई दुरायरण या 3 र है पर दिनई दुरायरण या 3 र है र या 3 र र र या 3 र र य 3 र र र य 3 र र य 3 र र य 3 र र र य 3 र र य 3 र र य 3 र र र र य 3 र र य 3 र र र य 3 र र र य 3 र र य 3 र र य 3 र र य 3 र र र य 3 र र य 3 र र य 3 र र र य 3 र र र य 3 र र र य 3 र र य 3 र र य 3 र र र य 3 र र य 3 र र य 3 र र र य 3 र र य 3 र र य 3 र र र य 3 र र य 3 र र य 3 र र र य 3 र र य 3 र र र य 3 र र र र र र र र र र र र र र र र र र र	मा सेव व तमाम से तमाम से रा है) है पि मा तमाम सेवरमा व से मार सेवर सेवर सेवर सिंह हि सिंह हि	वे किसो बोझे कामे राय ही पंचा उन्हेंगे भारत में जुलाई 1 कहोती परिला पांस क किसा नया था (इ कि सूल को पालतों हे भारतीय सूल को पालतों संस्थान/ किसाविप संस्थान/ किसाविप वा अवधि वा अवधि वा अवधि वा अवधि वा अवधि	प्रदा के दोराज विकल्जे प्रार, जो विवारणाम में २७७ के दुवे के आया ह दोराज हुई आरोपक राज विवार हुई आरोपक राज विवार ही प्रायमित प्राय विवार की साम विकार की नाम विकार की नाम विका	No t No t No to No to to to to to to to to to to to to to	षे रीज न 35478 69847 NA 70A 8 राजाण दार्वाक
	मेदयार वेशा दुरका सेवा और उसके परिणास्वरूप मेदयार विवलाम से म दुरावाम के जा प्रका र अप्रिया 10 का प्रका र मेदयार विश्व मुलपूरी सेवी 1 जापनी को मिलिक सेव प्रेराया 1 को मिलिक सेव मेदयार विश्व मुलपूरी सेव मेदयार विश्व मुलपूरी के पिरयादा द्वारि है, जिस्से 1 क के पिरयादा द्वारा है, जिस्से 1 क के पिरयादा द्वारा के पिरयादा उत्तरि पर्व कास्ती / तरित पद	प्रतिव सुम न त्रिया स्वा तिव्या सवा हिंदा तिव्या सवा हिंदा तिव्या सव स्वादि हिंदा स्वादि हिंदा सिंहा दिन्दा स्वादि हिंदा सिंहा स्वा स्वादि हिंदा सिंहा स्वा स्वादि स्वा स्वादि स्वा स्वादि स्वा स्वादि स्वा स्वादि स्वा स्वादि स्वा स्वादी स्वा स्वा स्वादी स्वा स्वा स्वादी स्वा स्वा स्वा स्वा स्वा स्वा स्वा स्वा	व हे जो किसी कर दिया क्य का जानांकिक प्र आयाजकाल प्रज म्ह आविकार (का 5 वर्ष प्र प्राप्ता के मीगर प्रकार के मीगर प्र प्र प्रथान माना के प्रथान माना के प्रथान माना के प्रधान का कि प्रधान का मान मिनेक् का कि प्रधान का मान	दूसरे देश र 191 - प्रत्याचर्तित (प्रायद प्रती कि से प्रियन प्रत्याप्त के प्रायद मन्मपा के प्रायद मन्मपा के प्रायद मन्मपा के प्रायद मन्मपा के प्रायद प्रत्यापिक 400 424 NA 76A 76A 76A	27 पुर प उसके आप सारतीय पानसेर्टफरी) रवकि त कर रहा हो तथा जो दिय अं/राज रस , ही औ शामित 5 और दिनरे दुरायरण सा 3 र दियरी भी साम पूरी करने पानी है। क है क्व (1)क्या आप दुरोक्या आप किवा ही, अपम (2)क्या आप किवा ही, अपम (2)क्या आप 1971 के सेप की कालपार्टी औरने/बेड/पॉरिकर 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1	मा सेव व तमाम से तमाम से तमाम से पर सिद्धे पर सम्बद्ध से मार से मार सिद्ध सित्ध सिद्ध सिद्ध सिद्ध सिद्ध सिद्ध सिद्ध सिद्ध सिद्ध सित्ध सिद्ध सिद्ध सिद्ध सित् सिद्ध सिद्ध सित् सिद्ध सित्ध सित् सित् सित् सित् सित् सित् सित् सित्	ते किसो परित सारे साथ ही देसा उनकी भारत में जुलाई 1 कहरेंसे परिता पासि क किसा नया या (ह कि सूच की परिता परि मे भारतीय मूख की जीव पुढी परित्साय संस्थान/ किसाविय संस्थान/ किसाविय मा अवधि संस्थान/ किसाविय मा अवधि संस्थान/ किसाविय मा अवधि संस्थान/ किसाविय मा अवधि संस्थान/ किसाविय मा अवधि संस्थान/ किसाविय मा अवधि संस्थान/ किसाविय मा अवधि	प्रदर्भ के दोराज विकल्जे प्रदर, जो विवारणाम में २७७७ के पूरी के आपा ह दोराज हुई आरोपक राम हुई आरोपक राम विक स्वार्थ प्रार्थ वेज्य देश विका ही। प्राप्त वेज्य साम विका ही। प्राप्त वेज्य साम प्राप्त वेज्य साम विका स	No t No No Solitet (No No Solitet (No No No Solitet (No No No No No No No No No No No No No N	दे रीज न 35478 69647 NA 700 व राजाण व्यांक
a sea at at a sea at	मीदधार वेशा कुरसा मेश और उसके परिणास्वरूप मीदमार विकासक से म दुतावास हारा उसे जाते । जापनी को निशित्त के अध्यास 10 का प्रकार के मीदमार वेशा मुलपूरी सेंगे । जापनी को मिल मेश को मेश अपनि उस का मा मारदीय मुलपूर का विकास है, जिसमे 1 क का विकास का , जिसमे 1 कुर 1963 का दिन प्रदा मनावा प्रदा कास्त्री / मारित पद 	प्रतिव सुम न त्रिया स्वा तिवा सवा तिवा सवा तिवा स कह प्राप्ति व व्यास्त्रस्वि व्यास्त्रस्व	व हे जो किसी कर दिया क्य का जन्मतिक र अपयाक्षमा प्रज म्ह आविकार (का 5 वर्ष प्रा प्राप्त के मीगर प्रकार के मीगर प्राप्त के प्रभाव का वो, 1964 जे स्व पूर्ण्यक . 300 स्व 30 स्व 30 स्व 30 स्व 30 स्व 30 स्व 30 स्व 30	दूसरे देश र 191 - प्रत्याचर्तित (प्रायद प्रती कि से प्रियन प्रत्याप्ते के प्रायद में प्रायद की प्रायत्विक दस्ती में प्रयाद 400 424 NA मध्म प्र प्रायत्व प्रत्यापित 400	पुर पुर क उनका साम समलीच पानमेदेखरी) त्यकि त कर रहा हो तथा जी दिय डे. और दिन्हे दुरायरण या उ ह और दिन्हे दुरायरण या उ ह इस दिन्हे दुरायरण या उ ह इस दिन्हे दुरायरण या उ कर है, जया (2)वया जाय किया ही, जया (2)वया जाय किया ह, जया (2)वया जाय 1971 के दीच की कालप्रदी कैयी/ ds/ परिस्कर 1 3 NA NA हिम्बा क वी हिम्बा क स्व	मा सेव व तमाम से तमाम से रा है) है पि पर सिद्धुं पर सिद्धुं से आराम से मार मार मार मार मार मार मार मार मार मार	ते किसो परित सारे साथ ही देसा उपने भारत में जुलाई 1 कहरेंसे परिता पासि क किसा नया या (ह कि सूच को परिता परि मा उपनीच मुख को संस्थान/ किसाविप संस्थान/ किसाविप मा उपनीच संस्थान/ किसाविप ना उपनीच संस्थान संस्था संधान संस्थान संस्थान संस्थान संस्था संस्था संधान संस्थान संस्थान संस्था संधान संस्थान संस्थान संस्थान संस्थान संस्थान संस्थान संस्थान संस्थान संस्थान संस्थान संस्थान संस्थान संस्थान संधा संधान संधान संधाय	प्रदर्भ के दिया विकल्पन प्रदर्भ के स्वितिक में उत्तर के दुवे के आप ह उत्तर हुई अप्रीय में द्वारा हुई अप्रीय प्रत के रायदित से आप्री कि स्वदेश प्राण्यायतित प्रार्थ के रायदित कि स्वदेश प्राण्यायतित प्रार्थ के रायदित त्वा के साम प्रय प्रयोजने का करण 	No t No No 3304 0 0007 000 000 1A 43 43 43 43 43 43 43 43 43 43 43 43 43	दे रीज म 35478 69847 NA 70A 8 राजाण दार्वाक
S SPACE	मेदयाद वेसा दुरसा सेवा और उसके परिणास्वस्य मेदयार विकासक से म दुरावास रेखा प्रदान उसे जाते । जापनी को निर्णित सेव अप्रियार देसा म्युलपुरे सेते । जापनी को निर्णित सेव को सेवा अप्रति क्रुप्त के सरण । का विक्यादित प्रती के प्रता 5 तर्वस्त्रम् 10 तर्वस्त्रम् पर्वस्त 5 तर्वस्त्रम् 10 उत्तरि प्रता 5 त्रावस्त्रम् 10 उत्तर के केवस्ता 10 म्यात्रकीय परिवा 5 तर्वस्त्रम् 10 म्यात्रकीय परिवा 7 म्यात्रकीय परिवा 7 मार्ग्यी परिवा	प्रतिक सुम न उस पियेन विषय गया : हिंदा तर स्वतिक सा प्रतिक सुम न विषय गया : हिंदा के स्वत से प्रतिक सा प्रतिक सा प्रतक सा प्रतक सा प्रतक सा प्रतक सा प्रतक सा प्रतक सा प्रतक सा प्रतक सा	व हे जो किसी कर दिया क्य का जननकि व आयाजकात प्रज हा जो प्रेय का 5 वर्ष प्रा प्राप्त के मीगर एक प्रथान मन वो, 1964 जे स्व पूर्णके . 300 NA NA NA NA NA NA NA NA NA NA NA NA NA	दूसरे देश र 191 - प्राच्यवर्णित (प्राप्त प्राप्त को हे में प्रियन काम हो कि देशी के प्राप्त में प्राप्त के प	पुर पुर क उन्सा से साम सारतीय पानसेदेखरी) त्यकि त कर रहा हो तथा जो दिय डे.और फिले टुरायरण या उ ह और फिले टुरायरण या उ ह है कर फिले टुरायरण या उ ह है कर फिले टुरायरण या उ कर है, जया (2)वया जाय किया है, जया (2)वया जाय किया है, जया (2)वया जाय 1971 के दीय की कालपार्टी कैयो/ बेड/ पारिस्कर 1 3 NA NA हिस्तांड के 	मा सेव व तमाम से तमाम से रा है) है पि पर सिद्धुं ये साम सिद्ध के साम के सिद्ध कि मिद्द कि मिर्म कि मिर मिर मिर्म कि मिर मिर मिर मिर मिर मिर मिर मिर मिर मि	र किसी परित कार्य साथ हि पैसा उपस्थी भारत में जुलाई 1 कर्मसे परेला पारिस के विद्या नया या (ह के प्राप्त की पालिस्ता के मारत की प्राप्त की संस्थान/ कियायिप संस्थान/ कियायिप संस्थान/ कियायिप संस्थान/ कियायिप संस्थान/ कियायिप संस्थान/ कियायिप वा अवधि संस्थान/ कियायिप संस्थान/ कियायिप	प्रदाः के दिसमा विकल्सन दयार, जो विकलास में २७७३ के पूर्व के आपा ह दर्शन ही लागिय से दर्शना हुई मानीविक नमी वे स्वर्थित से भारति तम वे स्वर्थना स्वर्णना प्राय देश्वाद से मान्स विकल्प प्राय देश्वादने का कारणा प्राय प्राय कि मान्स विकल्प प्राय प्र	No t No No 3304 0 0007 000 000 000 000 000 000 000 000	र्षे रीज ज 35478 69847 NA 76A 8 द्वमाण व्यांक
	मेदयाद वेसा दुरसा सेवा और उसके परिणादयस्य मेदयार विवलाम से म दुरावास रुप उसे जाति । जापनी को निवित्त सेव अध्यात रुप मुंदायुर हीते । जापनी को निवित्त सेव अध्यात के आपना उस ला राजियते 13 अपना उ ताविस्वायत् प्राप्त 1 उसीन प्रदेश उ ताविस्वायत् प्राप्त स्वायत् के प्रदा 3 ताविस्वायत् 1 अस्वायत् पर्य स्वायत् पर्य स्वायत् पर्य सामय	To a set of	व हे जो किसी कर दिया क्य का जानाफिक प्र आयाजकाल प्रज रह आपिल के प्रिया का 5 वर्ष प्र प्रिया के मीगर एक प्रभाव माना यो, 1964 जे स्व पूर्णके . 300 NA NA NA NA NA NA NA NA NA NA NA NA NA	दूसरे देश र 191 - गणवार्थित (पा पह पार्थि को से प्रियन ममपा के प्राप्ति के प्राप्तान प्राप्तान 400 424 NA नाम व प्राप्ता -	पुण पुर प दर्भवा से साम समलीच पानमेदेखरी) त्यकि त कर तम हो तथा जो दिय डे.और दिन्हे दुरायरण या उ ह और दिन्हे दुरायरण या उ ह देखरी में साथ पुरे करने वाली हैं। के है क्यों (नेल्या आप दुनेक्या आप किया ही, अपथा (दुनेक्या आप किया कि का का का किया किया किया कि किया का का कि किया कि कि कि का का का कि किया कि कि कि का का कि कि किया कि	मा सेव व तमान से तमान से रा है) है कि पर किस्तुल व संस्कृत के साराज के सेव साराज के सेव सेव साराज के सेव सेव साराज के सेव सेव साराज के सेव साराज के साराज के साज	वे किसी परित कार्य साथ के केस उपयो भारत में जुलाई 1 करते से जुलाई 1 कर विद्या नया या (ह केस मूल की पालिस्ता के प्रायं के प्रायं के (ह केस पूर्व की पालिस्ता के मारत में प्रायं के प्रायं के संस्थान/ कियाविद्य संस्थान/ कियाविद्य संस्थान/ कियाविद्य केस क्षेत्र संस्थान/ कियाविद्य केस क्षेत्र संस्थान/ कियाविद्य संस्थान/ कियाविद्य संस्थान संधान संस्थान संधान स्थ संधान संधान संधान संधान संधान संधान संधान संधान संधान संधा स्थ सं संय सं	प्रदाः के दिया विकल्पन द्वार, जो विवल्तान में 575 के दूरी न आपा ह देवारा हुई शतीपक तर्व दे द्वारित से शामि तर्व दे द्वारित से शामि तन दे द्वारित से साम द्वार्य प्रमानने का नगर नगर नगर नगर नगर नगर नगर नगर	No t No No 3304 0 No 0007 000 No 000 No 000 No No No No No No No No No No No	⁸ रीज ज 35478 69847 NA 768 2 जगाज ज्यांक